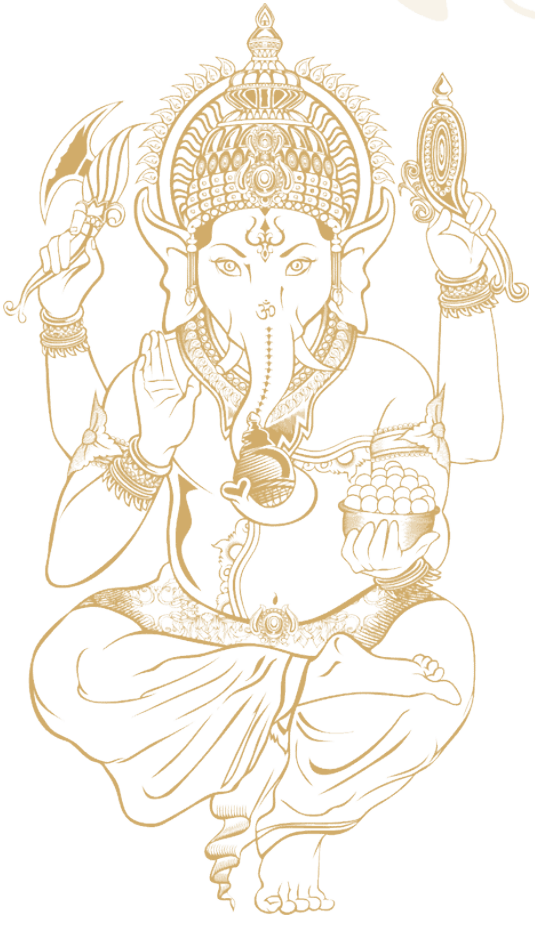

Asmita Mishra

30 Nov 2001

12:15 AM

Basti

Model: web-freekundliweb

Order No: 121262103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29-30/11/2001**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:15:00 घंटे**
इष्ट	44:24:15 घटी
स्थान	**Basti**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:48:00 उत्तर
रेखांश	82:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:15:56 घंटे
वेलान्तर	00:11:43 घंटे
साम्पातिक काल	04:50:49 घंटे
सूर्योदय	06:29:17 घंटे
सूर्यास्त	17:05:28 घंटे
दिनमान	10:36:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:44:21 वृश्चिक
लग्न के अंश	20:40:59 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:40:59	320:52:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	13:44:21	01:00:46	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	00:28:49	13:04:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	उच्च राशि
मंगल			मक	29:29:37	00:43:25	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	वृश्चि	10:52:46	01:34:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:36:19	00:05:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	02:44:48	01:15:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि	व		वृष	17:54:49	00:04:54	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:19:06	00:02:33	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:19:06	00:02:33	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:24:28	00:01:30	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:37:07	00:01:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:56:25	00:02:18	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	20:10:19	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:43

लग्न-चलित

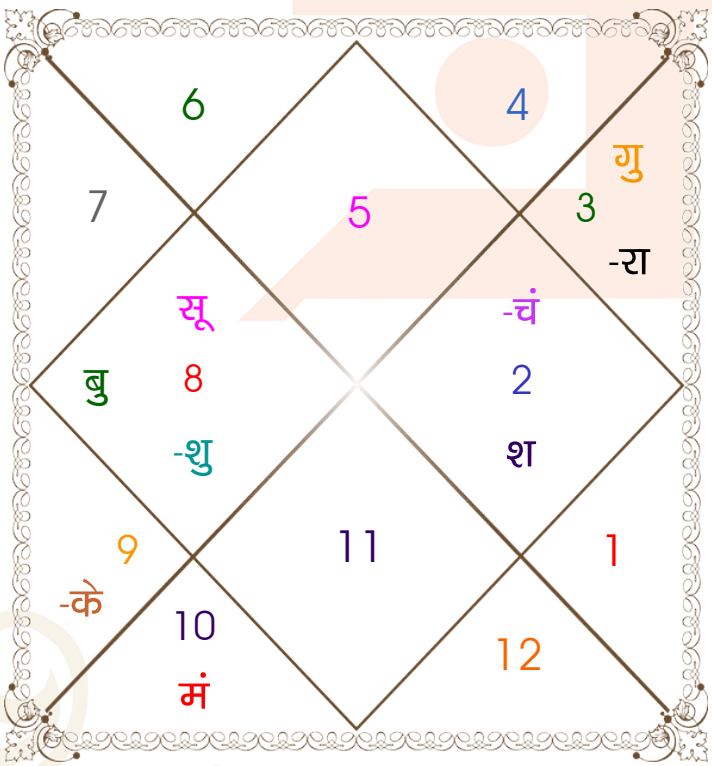

चन्द्र कुंडली

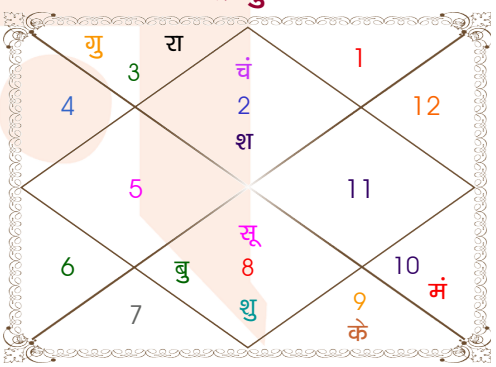

नवमांश कुंडली

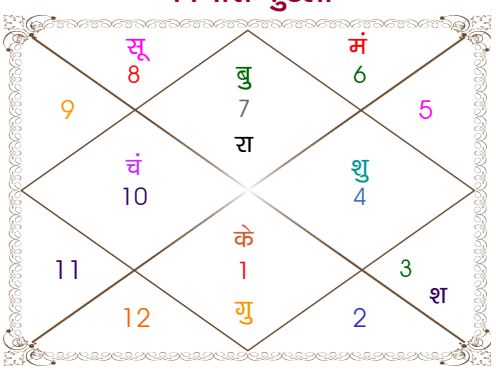

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 3 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/11/2001		13/03/2006		13/03/2016		13/03/2023		13/03/2041	
13/03/2006		13/03/2016		13/03/2023		13/03/2041		13/03/2057	
	00/00/0000	चंद्र	12/01/2007	मंगल	09/08/2016	राहु	24/11/2025	गुरु	01/05/2043
	00/00/0000	मंगल	13/08/2007	राहु	27/08/2017	गुरु	18/04/2028	शनि	11/11/2045
	30/11/2001	राहु	10/02/2009	गुरु	03/08/2018	शनि	23/02/2031	बुध	17/02/2048
राहु	31/03/2002	गुरु	12/06/2010	शनि	12/09/2019	बुध	12/09/2033	केतु	23/01/2049
गुरु	18/01/2003	शनि	12/01/2012	बुध	08/09/2020	केतु	30/09/2034	शुक्र	24/09/2051
शनि	31/12/2003	बुध	12/06/2013	केतु	04/02/2021	शुक्र	30/09/2037	सूर्य	12/07/2052
बुध	05/11/2004	केतु	11/01/2014	शुक्र	07/04/2022	सूर्य	25/08/2038	चंद्र	11/11/2053
केतु	13/03/2005	शुक्र	12/09/2015	सूर्य	12/08/2022	चंद्र	23/02/2040	मंगल	18/10/2054
शुक्र	13/03/2006	सूर्य	13/03/2016	चंद्र	13/03/2023	मंगल	13/03/2041	राहु	13/03/2057

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
13/03/2057		13/03/2076		13/03/2093		14/03/2100		14/03/2120	
13/03/2076		13/03/2093		14/03/2100		14/03/2120		00/00/0000	
शनि	16/03/2060	बुध	09/08/2078	केतु	09/08/2093	शुक्र	14/07/2103	सूर्य	01/07/2120
बुध	24/11/2062	केतु	07/08/2079	शुक्र	09/10/2094	सूर्य	13/07/2104	चंद्र	31/12/2120
केतु	03/01/2064	शुक्र	06/06/2082	सूर्य	14/02/2095	चंद्र	14/03/2106	मंगल	08/05/2121
शुक्र	04/03/2067	सूर्य	13/04/2083	चंद्र	15/09/2095	मंगल	14/05/2107	राहु	01/12/2121
सूर्य	14/02/2068	चंद्र	11/09/2084	मंगल	11/02/2096	राहु	14/05/2110		00/00/0000
चंद्र	15/09/2069	मंगल	09/09/2085	राहु	01/03/2097	गुरु	12/01/2113		00/00/0000
मंगल	24/10/2070	राहु	28/03/2088	गुरु	05/02/2098	शनि	14/03/2116		00/00/0000
राहु	30/08/2073	गुरु	04/07/2090	शनि	16/03/2099	बुध	13/01/2119		00/00/0000
गुरु	13/03/2076	शनि	13/03/2093	बुध	14/03/2100	केतु	14/03/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।